@NCWIndia @NationalCommissionforWomen
www.ncw.nic.in

राष्ट्रीय महिला आयोग

राष्ट्र महिला

खंड 1 संख्या 219 | अक्टूबर 2017

समाचार पत्र

अंदर के पृष्ठों में >>

डा. सोमेया स्वामीनाथन
विश्व स्वास्थ्य संगठन में उप महानिदेशक के पद पर नियुक्त

बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधु
कोरिया ओपन सुपर सीरीज़ में विजयी

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई हिंसा की स्वतः जांच

शिकायत/समाधान की प्रणाली में सुधार किया जाना

अध्यक्षा, राष्ट्रीय महिला आयोग

भारत की स्वतंत्रता के 70 वर्ष से महिला-पुरुष समानता और महिलाओं की गरिमा को पुर्न बहाल करने की संवैधानिक गारंटी को कार्यान्वित करने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। तथापि, महिलाओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और उनका जीवन उनकी गरिमा और अधिकारों पर निरंतर हो रहे प्रहारों, जो अक्सर उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन जाते हैं, के बीच जिंदा रहने के संघर्ष की कहानी है। संघर्ष तब से शुरू हो जाता है जब शिशु कन्या गर्भ में होती है। गर्भ धारण करने के बाद लिंग निर्धारण के लिए परीक्षण महिला के जीवन चक्र पर ऐसा पहला हमला है। यह विभिन्न रूपों में चलता है जैसे पुलिस द्वारा महिलाओं की शिकायतों का समाधान करने में उदासीनता, घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक स्थानों पर अन्य जघन्य अपराध।

आयोग ने पुलिस बल को महिला संवेदनशीलता प्रशिक्षण देने सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए अनेक उपाय किए हैं। ऐसे कार्यक्रम हरियाणा, पंजाब और जम्मू और कश्मीर के राज्यों में आयोजित किए जाने हैं। आयोग का विचार अनेक और राज्यों को इसमें शामिल करने का है।

आयोग अपने यहां शिकायतों और उनके समाधाान व्यवस्था में सुधार करने पर भी विचार कर रहा है और नियमित समय अन्तराल में पुलिस प्राधिकारियों से संपर्क बनाने हेतु अधिक संख्या में कार्मिकों को तैनात करेगा और समय पर शिकायतों के समाधान को सुनिश्चित करेगा। पुलिस तंत्र में बदलाव लाने का प्रस्ताव है ताकि पहले ही किसी निर्णय पर पहुंचने के पूर्व महिलाओं को अपनी शिकायतों को गोपनीयता के साथ बताने का मौका मिल सके। आयोग जेलों, रिमांड होम और मानसिक रोग अस्पतालों की स्थिति सुधारने के लिए भी कार्य कर रहा है ताकि महिला संवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। इस उद्देश्य से आयोग जेल निरीक्षण के लिए एक नई कार्यविधि निकाल रहा है और इसे संबंधित प्राधिकारियों को भेजेगा। ■

श्रीमती रेखा शर्मा, अध्यक्षा (प्रभारी), राष्ट्रीय महिला आयोग

श्रीमती ललिता कुमारमंगलम का कार्यकाल पूरा हुआ

श्रीमती ललिता कुमारमंगलम ने अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद 28 सितम्बर, 2017 को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा के पद को समर्पित किया। राष्ट्रीय महिला आयोग ने 20 सितम्बर, 2017 को हुई अपनी बैठक में श्रीमती ललिता कुमारमंगलम द्वारा प्रदत्त सेवाओं की प्रशंसा की।

श्रीमती रेखा शर्मा ने अध्यक्षा (प्रभारी), राष्ट्रीय महिला आयोग का पदभार संभाला

श्रीमती रेखा शर्मा, सदस्या, राष्ट्रीय महिला आयोग ने 29 सितम्बर, 2017 को आयोग की अध्यक्षा का अतिरिक्त पदभार संभाल लिया। वह अगस्त, 2015 से आयोग की सदस्या रही हैं। आयोग की सदस्या बनने से पूर्व, श्रीमती शर्मा विभिन्न हैसियतों में सिविल सोसाइटी संगठनों के साथ सक्रिय रूप से संबद्ध थी।

Source: http://newsable.asianetnews.com

श्रीमती शर्मा ने आयोग की सदस्या के रूप में अपनी पूरी क्षमता से महिलाओं के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव वाले मुद्दों पर विस्तार से कार्य किया। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता के उल्लंघन से संबंधित मुद्दों पर अनेक बार जांच की। श्रीमती शर्मा महिलाओं के कमजोर वर्गों, जिनमें वेश्यावृत्ति वाले इलाके भी शामिल हैं, के हितों की भी आवाज़ उठाती रही हैं।

श्रीमती शर्मा ने देश भर में बड़ी संख्या में महिला जन सुनवाई का भी आयोजन किया जिनमें 1,000 से भी अधिक शिकायतों का समाधान किया गया। ■

उपलब्धियां

डा. सोमेया स्वामीनाथन

की विश्व स्वास्थ्य संगठन में उप महानिदेशक के पद पर नियुक्ति

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की महानिदेशक और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग की सचिव डा. सोमेया स्वामीनाथन को विश्व स्वास्थ्य संगठन में उप महानिदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। यह पहला अवसर होगा जब कोई भारतीय विश्व स्वास्थ्य संगठन में ऐसे पद पर होगा। यह वास्तव में भारतीय महिलाओं के लिए एक असाधारण उपलब्धि है।

डा. स्वामीनाथन, जो क्षयरोग और एच.आई.वी. पर विश्वभर में मान्यता प्राप्त शोधकर्मी हैं, के पास चिकित्सीय देखभाल और शोध का वृहत अनुभव है। इससे पूर्व उन्होंने जिनेवा में यू.एन.आई.सी.इ.एफ./यू.एन.डी.पी./विश्व बैंक/विश्व स्वास्थ्य संगठन के ट्रॉपिकल बिमारियों में शोध और प्रशिक्षण के विशेष कार्यक्रम में समन्वयक के रूप में कार्य किया। वह अनेक विश्व स्वास्थ्य संगठन और वैश्विक परामर्शदात्री निकायों की सदस्या रही हैं। इनमें वैश्विक कार्यनीति, जन-स्वास्थ्य पर कार्यवाही योजना, नवोन्मेष और बौद्धिक सम्पदा की समीक्षा करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का विशेषज्ञ पैनल शामिल है। ■

Source: https://www.thebetterindia.com

बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधु

कोरिया ओपन सुपर सीरीज़ में विजयी

Source: https://static.toiimg.com

ओलम्पिक रजत पदक विजेता, पी.वी. सिंधु 17 सितम्बर, 2017 को कोरिया ओपन सुपर सीरीज़ बैडमिंटन टूर्नामेंट की महिला एकल पदक जीतकर सिऑल में इतिहास रचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी। फाइनल मैच में सिंधु ने एक मैच में, जो तीन सेट तक रहा, विश्व चैम्पियन जापानी खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को 22-20, 11-21, 21-18 से हराया। ■

गतिविधियां

महिलाओं को सशक्त

बनाने में सक्रिय मीडिया की भूमिका

राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिलाओं के हित पूरा करने में, उनके कार्य को सामने लाने में और निर्णय लेने में संसाधनों और सत्ता तक बराबर पहुंच में उन्हें समर्थ बनाने में मीडिया की सक्रिय संलग्नता लेने के लिए जसोला, नई दिल्ली के अपने कार्यालय में 31 अक्टूबर, 2017 को मीडिया कर्मियों के साथ एक पारस्परिक सत्र का आयोजन किया।

डा. सतबीर बेदी, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग ने अपने स्वागत भाषण में आयोग के अधिदेश, उसकी पहुंच, सहभागिता और आयोग के विभिन्न प्रकोष्ठों द्वारा आरंभ की गई गतिविधियों के परिणामों को दोहराया और मीडिया से अनुरोध किया कि वे महिलाओं के अधिकारों और पात्रता सहित उनसे संबंधित मुद्दों पर सूचनाओं का प्रसार करने में सहायता करें।

सदस्य श्री आलोक रावत ने मीडिया कर्मियों से अनुरोध किया कि वे व्यापक एसिड हमले से संबंधित गंभीर चिंता और अनिवासी भारतीयों के विवाहों से उठने वाली समस्याओं को उजागर करने और महिलाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर उन्हें सही जानकारी का प्रसार करने में भी सहायता करें।

अपने भाषण में, श्रीमती रेखा शर्मा, अध्यक्षा (प्रभारी), राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा कि मीडिया महिलाओं के सशक्तीकरण में एक प्रमुख भूमिका निभाता है और इसलिए अब समय है कि आयोग और मीडिया मिलकर महिलाओं की क्षमता का विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग करें। मातृत्व लाभ और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न जैसे मुद्दों को उजागर करते हुए अध्यक्षा ने कहा कि नियोक्ताओं और सामान्यत: समाज का मानसिक दृष्टिकोण बदलने में सहायता करने के लिए जानकारी का बेहतर प्रसार करने की आवश्यकता है। उन्होंने दोहराया कि महिलाओं के सशक्तीकरण में मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ■

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हुई हिंसा की स्वतः जांच

Source: http://www.hindustantimes.com

यौन उत्पीड़न, महिलाओं से छेड़खानी और पुलिस बर्बरता की घटनाओं को, जो अक्टूबर 2017 को बनारस हिंदु विश्वविद्यालय में हुई थी, गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग ने मामले को स्वत: संज्ञान में लिया और मामले की जांच करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा (प्रभारी) श्रीमती रेखा शर्मा की अध्यक्षता में एक दो-सदस्यीय जांच समिति बनाई। समिति ने 5 अक्टूबर, 2017 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों और विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों से परस्पर वार्ता की। समिति के निष्कर्षों और सिफारिशों को उचित कार्यवाही हेतु सरकार को भेजा गया। सिफारिशों में अन्य बातों के साथ विश्वविद्यालय के स्टाफ, विद्यार्थियों, सुरक्षा गार्डों और कैम्पस में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तरदायी पुलिस बल को महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनाने और लड़कियों के होस्टल में वस्त्र, प्रवेश का समय, पुस्तकालय समय आदि से संबंधित अनुचित रोक को हटाने की आवश्यकता को शामिल किया गया है। समिति ने सड़कों पर लाइट शीघ्र लगाने, सी.सी.टी.वी. लगाने और बेहतर रोशनी की व्यवस्था करने की आवश्यकता को उजागर किया है। ■

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा किया गया सफल हस्तक्षेप : महिला पत्रकार से छेड़खानी करने वाले के विरुद्ध अभियोग पत्र दायर किया गया

नई दिल्ली में एक महिला पत्रकार के साथ छेड़खानी के एक मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग के हस्तक्षेप से रिपोर्ट की गई घटना में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जांच करते समय पुलिस ने सी.सी.टी.वी. में फोटो से नोट किया कि आरोपी ने पहली पीड़िता से छेड़खानी के बाद 15-20 मिनट में एक अन्य महिला से छेड़खानी की। रिकॉर्ड समय में आरोपी के विरुद्ध एक अभियोग पत्र दाखिल किया गया। ■

महिलाओं का सशक्तीकरण

टिकाऊ विकास की कुँजी -

सदस्या श्रीमती सुषमा साहू

"महिला सशक्तीकरण : उभरती प्रवृत्तियां और चुनौतियां" पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए श्रीमती सुषमा साहू, सदस्या, राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं का सशक्तीकरण अर्थव्यवस्था और समाज के संतुलित विकास के लिए अति आवश्यक है। सेमिनार में, जिसे 7 अक्टूबर, 2017 को आई.पी.इ.एम. लॉ अकादमी ने गाजियाबाद में आयोजित किया था, 200 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित हुए जिसमें एडवोकेट, समाजशास्त्री और शिक्षा संस्थानों के प्रिंसिपल, शोधार्थी, फैकल्टी और उस क्षेत्र के विद्यार्थी भी शामिल थे। जस्टिस शिवचरण सिंह मुख्य अतिथि थे। ■

मानव तस्करी मौलिक मानव अधिकारों का उल्लंघन करती है :

सदस्या श्रीमती सुषमा साहू

सदस्या, राष्ट्रीय महिला आयोग, श्रीमती सुषमा साहू स्त्रीचेतना चक्कीटटिडा द्वारा 30 अक्टूबर, 2017 को कोझीकोड, केरल में "मानव तस्करी : महिलाओं और बच्चों पर प्रभाव" पर आयोजित एक-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाषण देने के लिए कोझीकोड गई। श्रीमती साहू ने कहा कि मानव तस्करी शोषण का सबसे खराब रूप है जो महिलाओं और बच्चों पर शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से प्रतिकूल प्रभाव डालता है। ■

अक्टूबर, 2017 में सी एण्ड आई प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों की स्थिति

पंजीकृत शिकायतें	प्राप्त की गई कार्यवाही रिपोर्ट	बंद शिकायतें (पुरानी + नई)
782	185	441

राष्ट्रीय महिला आयोग, प्लॉट नं. 21, जसोला इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110025 द्वारा प्रकाशित। सम्पादकः वनीता अखौरी **आकांक्षा इम्प्रेशन,** 18/36, गली नं. 5, रेलवे लाइन साइड, आनंद पर्वत इंडस्ट्रियल एरिया, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।